JETIR.ORG ISSN: 2349-5162 | ESTD Year : 2014 | Monthly Issue
JOURNAL OF EMERGING TECHNOLOGIES AND INNOVATIVE RESEARCH (JETIR)
An International Scholarly Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

शिक्षा में ब्लूप्रिंट का महत्त्व

जोसफ़ दास,M.A, M.Ed (NET-JRF) Education

Guest Faculty
Tagore Govt. College of Education, Sri Vijayapuram, A & N Islands

सारांश

शिक्षा के क्षेत्र में मूल्यांकन की विश्वसनीयता, वैधता एवं वस्तुनिष्ठता सुनिश्चित करने हेतु "ब्लूप्रिंट" एक अत्यंत महत्वपूर्ण उपकरण है। ब्लूप्रिंट प्रश्न-पत्र निर्माण की पूर्व-योजना है, जिसके माध्यम से पाठ्यवस्तु, उद्देश्यों, अधिगम-स्तरों एवं अंक-वितरण का संतुलित समन्वय किया जाता है। यह शोध-पत्र शिक्षा में ब्लूप्रिंट की अवधारणा, आवश्यकता, उपयोगिता, निर्माण-प्रक्रिया तथा समकालीन शैक्षिक नीतियों के संदर्भ में इसके महत्व का विश्लेषण प्रस्तुत करता है।

कुंजी शब्द : ब्लूप्रिंट, मूल्यांकन, अधिगम-उद्देश्य, प्रश्न-पत्र निर्माण, वैधता, विश्वसनीयता

1. प्रस्तावना

शिक्षा-प्रणाली में मूल्यांकन (Assessment) केवल अंक प्रदान करने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि अधिगम की गुणवत्ता का मापन है। यदि प्रश्न-पत्र का निर्माण सुविचारित योजना के बिना किया जाए, तो मूल्यांकन में असंतुलन, पक्षपात एवं अस्पष्टता की संभावना बढ़ जाती है। इस संदर्भ में ब्लूप्रिंट एक वैज्ञानिक एवं प्रणालीबद्ध उपकरण के रूप में कार्य करता है, जो प्रश्न-पत्र को पाठ्यक्रम एवं अधिगम उद्देश्यों के अनुरूप बनाता है।

2. ब्लूप्रिंट की संकल्पना

ब्लूप्रिंट (Blueprint) प्रश्न-पत्र निर्माण की वह सारणी या योजना है, जिसमें—

- **पाठ्यवस्तु का विभाजन**
- **अधिगम-उद्देश्यों (ज्ञान, समझ, अनुप्रयोग, विश्लेषण आदि) का निर्धारण**

- प्रश्नों के प्रकार (वस्तुनिष्ठ, लघुत्तर, दीर्घोत्तर)

- अंक-वितरण एवं समय-विन्यास

का स्पष्ट उल्लेख होता है।

शैक्षिक मनोविज्ञान के अनुसार, ब्लूप्रिंट अधिगम के विभिन्न स्तरों—ज्ञानात्मक (Cognitive), भावात्मक (Affective) एवं मनोदैहिक (Psychomotor) को संतुलित रूप से सम्मिलित करने का माध्यम है।

3. सैद्धांतिक आधार

(क) उद्देश्यों पर आधारित मूल्यांकन

National Council of Educational Research and Training द्वारा प्रतिपादित राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (2005) में निरंतर एवं समग्र मूल्यांकन (CCE) पर बल दिया गया है, जिसमें उद्देश्य-आधारित प्रश्न-पत्र निर्माण की आवश्यकता बताई गई है।

(ख) शिक्षक-शिक्षा मानक

National Council for Teacher Education के मानकों में मूल्यांकन की वैज्ञानिक योजना एवं प्रश्न-पत्र निर्माण की दक्षता को शिक्षक की अनिवार्य योग्यता माना गया है।

(ग) वर्गीकरण सिद्धांत

Benjamin Bloom के Taxonomy of Educational Objectives के अनुसार अधिगम को ज्ञान, समझ, अनुप्रयोग, विश्लेषण, संश्लेषण एवं मूल्यांकन स्तरों में विभाजित किया गया है। ब्लूप्रिंट इन स्तरों के अनुरूप प्रश्नों का संतुलन स्थापित करता है।

4. शिक्षा में ब्लूप्रिंट का महत्त्व

4.1 वैधता (Validity) सुनिश्चित करना

ब्लूप्रिंट यह सुनिश्चित करता है कि प्रश्न-पत्र पाठ्यक्रम के सभी महत्वपूर्ण अंशों को समाहित करे। इससे विषयवस्तु की वैधता बनी रहती है।

4.2 विश्वसनीयता (Reliability) बढ़ाना

संतुलित अंक-वितरण एवं प्रश्नों की विविधता मूल्यांकन को अधिक विश्वसनीय बनाती है।

4.3 वस्तुनिष्ठता (Objectivity)

ब्लूप्रिंट शिक्षक के व्यक्तिगत पूर्वाग्रह को कम करता है तथा प्रश्न-पत्र निर्माण को मानकीकृत करता है।

4.4 पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व

यह प्रक्रिया प्रशासनिक एवं शैक्षिक स्तर पर पारदर्शिता सुनिश्चित करती है।

4.5 समय एवं पाठ्यवस्तु का संतुलन

ब्लूप्रिंट समय-प्रबंधन एवं पाठ्यक्रम-आवरण (Syllabus Coverage) में संतुलन स्थापित करता है।

4.6 अधिगम-उन्मुख मूल्यांकन

यह विद्यार्थियों को रटने के बजाय उच्च-स्तरीय चिंतन (Higher Order Thinking Skills) हेतु प्रेरित करता है।

5. ब्लूप्रिंट निर्माण की प्रक्रिया

ब्लूप्रिंट / नील पत्र- प्रारूप

कक्षा: आठवीं **निर्धारित समय: 3 घंटे**

विषय: हिंदी **पूर्णांक : 100**

5.1 अधिगम परिणाम का भार

क्रम संख्या	लक्ष्य	अंक	प्रतिशत
1.	ज्ञानात्मक	20	20%
2.	बोधात्मक	30	30%
3.	प्रयोगात्मक	30	30%
4.	कौशल	20	20%
	कुल	100	100%

(ज्ञानात्मक- Knowledge, बोधात्मक- Understanding, प्रयोगात्मक- Application,कौशल- Skill)

5.2 विषयवस्तु का भार

क्रम संख्या	खंड	इकाई का नाम	निर्धारित अंक
1.	क	(वस्तुनिष्ठ) अपठित गद्यांश अपठित पद्यांश	20
2.	ख	(अति लघु उत्तरात्मक) व्याकरण- संज्ञा,क्रिया,वचन,लिंग,प्रत्यय,विलोम, पर्यायवाची शब्द	30
3.	ग	(लघु उत्तरात्मक) 1. पत्र 2. दो गौरैया (कहानी) 3. एक आशीर्वाद (कविता) 4. हरिद्वार (पत्र) 5. एक टोकरी भर मिट्टी (कहानी)	30
4.	घ	(दीर्घ उत्तरात्मक) 1. स्वदेश (कविता) 2.निबंध	20
		कुल अंक	100

5.3 प्रश्नों के प्रकार का भार

क्रम संख्या	प्रश्नों के प्रकार	प्रत्येक प्रश्न के लिए निर्धारित अंक	प्रश्नों की संख्या	कुल अंक
1.	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	1	20	20
2.	अति लघुत्तरात्मक प्रश्न	2	10	20
3.	लघु उत्तरात्मक प्रश्न	5	8	40
4.	दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न	10	2	20
		कुल	40	100

5.4 विभिन्न प्रश्नों के प्रकारों के लिए निर्धारित समय

क्रम संख्या	प्रश्नों के प्रकार	निर्धारित समय	प्रति प्रश्न औसत समय
1.	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	25 मिनट	1-2 मिनट
2.	अति लघुत्तरात्मक प्रश्न	35 मिनट	4-5 मिनट
3.	लघु उत्तरात्मक प्रश्न	30 मिनट	7 मिनट
4.	दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न	75 मिनट	15 मिनट
5.	पुनरावृत्ति का समय	15 मिनट	
	कुल	180 मिनट	

5.5 प्रश्नों की जटिलता के स्तर का भार

क्रम संख्या	जटिलता का स्तर	प्रतिशत
1.	सरल	25%
2.	औसत	55%
3.	जटिल	20%
	कुल	100%

सरल - Easy

औसत - Average

जटिल - Difficult

टैगोर राजकीय शिक्षा महाविद्यालय, मिडिल प्वाइंट, श्री विजया पुरम

उपलब्धि परीक्षण - 1

कक्षा - आठवीं **समय : 3 घंटे**

विषय - हिन्दी **पूर्णांक : 100**

1. **सभी प्रश्न अनिवार्य है।**
2. **इस प्रश्न पत्र के कुल चार खंड क,ख,ग,घ है।**
3. **कृपया जांच ले कि इस प्रश्न पत्र में कुल 42 प्रश्न है।**
4. **प्रश्नों के अंक प्रश्न के आगे दर्शाए गए हैं।**

खंड - क

प्रश्न : 1 अपठित गद्यांश एवं पद्यांश

(10×1 = 10 अंक)

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनिए—

विद्यार्थी जीवन मनुष्य के जीवन की सबसे महत्वपूर्ण अवस्था होती है। इसी काल में व्यक्ति के चरित्र, विचार और व्यवहार का निर्माण होता है। अनुशासन, परिश्रम और समय का सदुपयोग विद्यार्थी जीवन की सबसे बड़ी पूँजी मानी जाती है। जो विद्यार्थी अपने समय को पढ़ाई, अभ्यास और आत्मविकास में लगाते हैं, वे आगे चलकर जीवन में सफलता प्राप्त करते हैं। इसके विपरीत जो विद्यार्थी आलस्य,

लापरवाही और अनुशासनहीनता का सहारा लेते हैं, वे अपने भविष्य को स्वयं ही अंधकारमय बना लेते हैं। इसलिए प्रत्येक विद्यार्थी का यह कर्तव्य है कि वह अपने कर्तव्यों को समझे और जिम्मेदारी के साथ जीवन में आगे बढ़े।

1. **विद्यार्थी जीवन किसके निर्माण की अवस्था है?**

   (क) केवल शरीर के (ग) चरित्र और विचारों के

   (ख) धन के (घ) मनोरंजन के

2. **विद्यार्थी जीवन की सबसे बड़ी पूँजी क्या मानी गई है?**

   (क) धन (ग) अनुशासन और परिश्रम

   (ख) मित्र (घ) खेल

3. **सफलता किससे प्राप्त होती है?**

   (क) आलस्य से (ग) लापरवाही से

   (ख) समय के सदुपयोग से (घ) भाग्य से

4. **विद्यार्थी को समय का उपयोग किसमें करना चाहिए?**

   (क) मनोरंजन में (ग) विश्राम में

   (ख) अभ्यास और आत्मविकास में (घ) भ्रमण में

5. **आलस्य का परिणाम क्या होता है?**

   (क) उज्ज्वल भविष्य (ग) अंधकारमय भविष्य

   (ख) सम्मान (घ) सफलता

6. **गद्यांश का मुख्य विषय क्या है?**

(क) खेलकूद **(ग) धन-संग्रह**

(ख) विद्यार्थी जीवन का महत्व **(घ) मित्रता**

7. **अनुशासनहीनता का परिणाम क्या बताया गया है?**

(क) सफलता **(ग) असफलता**

(ख) प्रगति **(घ) सम्मान**

8. **'कर्तव्य' शब्द का अर्थ है—**

(क) अधिकार **(ग) मनोरंजन**

(ख) जिम्मेदारी **(घ) विश्राम**

9. **गद्यांश के अनुसार विद्यार्थी को कैसा होना चाहिए?**

(क) लापरवाह **(ग) आलसी**

(ख) जिम्मेदार **(घ) चंचल**

10. **गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक होगा—**

(क) आलस्य का महत्व **(ग) धन की आवश्यकता**

(ख) विद्यार्थी जीवन का मूल्य **(घ) समय का दुरुपयोग**

अपठित पद्यांश

(10×1 = 10 अंक)

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर सही विकल्प चुनिए—

परिश्रम से ही जीवन में,

सपनों को आकार मिलता।

जो श्रम पथ पर चलता रहता,

उसको ही सम्मान मिलता।।

कठिनाइयाँ राह में आएँ,

डरकर जो रुक जाता है।

सफलता का द्वार सदा ही,

उससे दूर हो जाता है।

11. **सपनों को आकार कैसे मिलता है?**

(क) विश्राम से **(ग) भाग्य से**

(ख) परिश्रम से **(घ) छल से**

12. **सम्मान किसे मिलता है ?**

(क) डरने वाले को **(ग) रुक जाने वाले को**

(ख) श्रम करने वाले को **(घ) आलसी को**

13. **कठिनाइयों में क्या नहीं करना चाहिए?**

(क) प्रयास **(ग) डरकर रुक जाना**

(ख) साहस **(घ) मेहनत**

14. **सफलता का द्वार किससे दूर हो जाता है?**

(क) परिश्रमी से (ग) डरकर रुकने वाले से

(ख) साहसी से (घ) कर्मशील से

15. **पद्यांश का मुख्य भाव क्या है?**

(क) भय (ग) विश्राम

(ख) परिश्रम और साहस (घ) दुःख

16. 'श्रम पथ' का अर्थ है—

(क) खेल का मार्ग (ग) विश्राम का मार्ग

(ख) परिश्रम का मार्ग (घ) सरल मार्ग

17. पद्यांश में किस गुण की प्रशंसा की गई है?

(क) आलस्य (ग) क्रोध

(ख) परिश्रम (घ) लोभ

18. **जीवन में सफलता के लिए क्या आवश्यक बताया गया है?**

(क) धन (ग) मित्र

(ख) साहस और परिश्रम (घ) प्रसिद्धि

19. **'डरकर' शब्द का विलोम है—**

(क) भयभीत (ग) कमजोर

(ख) साहसी (घ) चंचल

20. **पद्यांश का उपयुक्त शीर्षक होगा—**

(क) भय का मार्ग **(ग) विश्राम का महत्व**

(ख) सफलता का रहस्य **(घ) जीवन की कठिनाइयाँ**

खंड - ख

(अति लघु उत्तरात्मक) – व्याकरण

(10 × 2 = 20 अंक)

प्रश्न- 2 : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में लिखिए—

1. **भाववाचक संज्ञा किसे कहते हैं? 'ईमानदारी' शब्द के आधार पर स्पष्ट कीजिए।**
2. **अकर्मक क्रिया और सकर्मक क्रिया में एक मुख्य अंतर उदाहरण सहित लिखिए।**
3. **'बालिका' शब्द का बहुवचन लिखिए और उसका वचन-निर्धारण कीजिए।**
4. **'नायक' शब्द का स्त्रीलिंग रूप लिखकर उसका प्रयोग वाक्य में कीजिए।**
5. **'शिक्षक' शब्द के वचन परिवर्तन से बने शब्द को लिखिए।**
6. **'लेखन' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय का नाम लिखिए।**
7. **'स्वार्थी' शब्द का विलोम लिखिए और उसका एक वाक्य बनाइए।**
8. **'प्रकाश' शब्द का विलोम लिखकर उसके अर्थ में अंतर स्पष्ट कीजिए।**
9. **'ज्ञान' शब्द के दो पर्यायवाची लिखिए और किसी एक का वाक्य-प्रयोग कीजिए।**
10. **'जल' शब्द के साहित्यिक और सामान्य प्रयोग में प्रयुक्त एक-एक पर्यायवाची लिखिए।**

खंड - ग

प्रश्न : 3 (लघु उत्तरात्मक) (5 × 1= 5 अंक)

(i) **अपने महाविद्यालय के प्रधानाचार्य को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किये जाने पर बधाई पत्र लिखिए।**

(ii) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये (5×8=40)

1.कविता में कवि ने स्वदेश की मिट्टी के महत्व को कैसे दर्शाया है? उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

2.कहानी "दो गौरैया" में लेखक ने सरल जीवन और प्राकृतिक वातावरण के महत्व को कैसे प्रस्तुत किया है?

3.गौरैया की गतिविधियों और उनके व्यवहार के माध्यम से लेखक ने कौन-सी मानवीय या नैतिक शिक्षा दी है?

4.कविता "एक आशीर्वाद" में कवि ने भौतिक संपत्ति और मानसिक मूल्य के बीच क्या अंतर स्पष्ट किया है?

5."एक आशीर्वाद" कविता में आशीर्वाद के रूप में वर्णित गुणों का हमारे दैनिक जीवन में क्या महत्व है?

6.पत्र "हरिद्वार" में लेखक ने धार्मिक यात्रा के अनुभवों को किस प्रकार जीवंत और प्रभावशाली तरीके से प्रस्तुत किया है?

7.पत्र में गंगा स्नान का महत्व केवल आध्यात्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक और मानसिक दृष्टिकोण से भी है, पाठ "हरिद्वार" के माध्यम से समझाइए।

8.कहानी "एक टोकरी भर मिट्टी" में लेखक ने बच्चों में पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधनों के प्रति किस प्रकार जागरूकता पैदा की है?

खंड - घ

प्रश्न - 4 : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये ।(दीर्घ उत्तरात्मक 5 × 2= 10अंक)

1. **"स्वदेश" कविता में कवि देशभक्ति और व्यक्तिगत भावनाओं को किस प्रकार जोड़ता है? अपने शब्दों में समझाइए।**

2 **निम्न में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए ।**

1.पर्यावरण संरक्षण का महत्व

2. इंटरनेट का हमारे जीवन पर प्रभाव

3.खेलों का महत्व

4.मेरी प्रिय पुस्तक

तालिका : 5.6

कक्षा- आठवीं								नीलपत्र 100									पूर्णांक -
उद्देश्य	ज्ञानात्मक				बोधात्मक				प्रयोगात्मक				कौशल				कुल अंक
प्रश्नों के प्रकार	व०	अति ल०	ल०	दी०	व०	अति ल०	ल०	दी०	व०	अति ल०	ल०	दी०	व०	अति ल०	ल०	दी०	
विषयवस्तु																	
अपठित गद्यांश	(1) 10																10
अपठित पद्यांश	(1) 10																10
पत्र											(5)1						05
निबंध																(10) 1	10
व्याकरण (संज्ञा)						(2)1											02

क्रिया						(2)1											**02**
वचन						(4)2											**04**
लिंग						(2)1											**02**
प्रत्यय						(2)1											**02**
विलोम						(4)2											**04**
पर्यायवाची						(4)2											**04**
मल्हार (स्वदेश)							.									(10)1	**10**
दो गौरैया							(10)2										**10**
एक आशीर्वाद												(10)2					**10**
हरिद्वार												(10)2					**10**
एक टोकरी भर मिट्टी											(5)1						**05**
कुल अंक	**20**				**30**				**30**				**20**				**100**

नोट :

6. **प्रश्न पत्र कुल 100 अंकों का है**
7. **कोष्ठक के भीतर प्रत्येक प्रश्न के लिए निर्धारित अंक दर्शाए गए है ।**
8. **कोष्ठक के बहार प्रश्नों की संख्या दर्शायी गई है ।**

6. निष्कर्ष

यह स्पष्ट हो जाता है कि ब्लूप्रिंट शिक्षा में वैज्ञानिक, संतुलित एवं उद्देश्यपरक मूल्यांकन का आधार है। यह न केवल प्रश्न-पत्र निर्माण की गुणवत्ता को बढ़ाता है, बल्कि शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को भी दिशा प्रदान करता है। वर्तमान शैक्षिक परिदृश्य में, जहाँ दक्षता-आधारित एवं समग्र मूल्यांकन पर बल दिया जा रहा है, ब्लूप्रिंट की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। अतः प्रत्येक शिक्षक एवं शिक्षक-प्रशिक्षण कार्यक्रम में ब्लूप्रिंट निर्माण को अनिवार्य रूप से सम्मिलित किया जाना चाहिए।

7. संदर्भ सूची

1. National Council of Educational Research and Training. (2005).
2. **National Curriculum Framework 2005 (राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा 2005). नई दिल्ली: एनसीईआरटी।**
3. National Council for Teacher Education. (2014). ***Norms and Standards for B.Ed. Programme (बी.एड. कार्यक्रम हेतु मानक एवं मानदंड).*** **नई दिल्ली: एनसीटीई।**
4. Bloom, Benjamin S.. (1956). ***Taxonomy of Educational Objectives: The Classification of Educational Goals (शैक्षिक उद्देश्यों का वर्गीकरण).*** **न्यूयॉर्क: डेविड मैके कंपनी।**
5. Mangal, S. K.. (2014). ***शैक्षिक मनोविज्ञान.*** **नई दिल्ली: पीएचआई लर्निंग प्राइवेट लिमिटेड।**
6. Garrett, Henry E.. (2008). ***Statistics in Psychology and Education (मनोविज्ञान एवं शिक्षा में सांख्यिकी).*** **नई दिल्ली: परागन इंटरनेशनल पब्लिशर्स।**
7. Anastasi, Anne., & Urbina, Susana. (2009). ***Psychological Testing (मनोवैज्ञानिक परीक्षण).*** **नई दिल्ली: पियर्सन एजुकेशन।**
8. **Freire, Paulo. (1970). Pedagogy of the Oppressed (पीड़ितों का शिक्षाशास्त्र). न्यूयॉर्क: कंटिन्यूअम।**
9. **Vygotsky, Lev S.. (1978). Mind in Society (समाज में मस्तिष्क का विकास). कैम्ब्रिज, एमए: हार्वर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।**